

धनाजी नाना महाविद्यालय फैजपूर

हिंदी विभाग

प्रोग्राम फलीत (बी.ए)

- 1) कहानियों के माध्यम से जीवन-मूल्यों से परिचित होते हैं।
- 2) नाटक के माध्यम से अभिनय क्षमता विकसित होती हैं।
- 3) खंडकाव्य द्वारा विश्व में युद्ध और शांति की समस्या को समझते हैं।
- 4) उपन्यास विधा के द्वारा मानव जीवन के चरित्र को समझते हैं।
- 5) हिंदी भाषा के अध्ययन से राष्ट्र निर्माण में छात्र योगदान देने काबिल बनते हैं।
- 6) हिंदी का प्रचार प्रसार करना।
- 7) हिंदी भाषा में अभिवृत्ति और अभिरूची का विकास होता है।

धनाजी नाना महाविद्यालय फैजपूर

हिंदी विभाग

प्रोग्रामफलीत (एम.ए.)

- 1) अनुवाद के माध्यम से स्वयं रोजगार उपलब्ध होता है।
- 2) हिंदी भाषा की ज्ञान प्राप्ति से ज्ञानदान करके रोजगार की प्राप्ति कर सकते हैं।
- 3) भारत के किसी भी क्षेत्र में रोजगार की संधि उपलब्ध कर सकते हैं।
- 4) विज्ञापन, आकाशवाणी, दूरदर्शन, मीडिया में रोजगार प्राप्ति की संधि।
- 5) हिंदी भाषी प्रदेश और अहिंदी भाषी प्रदेश में सौहार्द्रता प्रस्तापित करना।
- 6) हिंदी भाषा के अध्ययन से भारतीय समाज और संस्कृति का अध्ययन होता है।
- 7) विज्ञान, विधि, वाणिज्य आयुर्विज्ञान में उच्चस्तरीय हिंदी अनुवाद और लेखन कर सकते हैं।
- 8) भारतीय साहित्य और विश्व साहित्य की कालजयी कृतियों का अनुवाद कर सकते हैं।